Maharana Pratap Institute of Technology

Approved by AICTE New Delhi, and affiliated to Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University Lucknow
Lachhipur, Sonauli Road, Gorakhnath, Gorakhpur, UP-273015

www.mpit.ac.in **Email:** directormpit@gmail.com **Ph.:** 0551-3505501, 3525530

Hon'ble CM's inspection of Centre of Excellence Project

"MPIT to soon become a role model in Technical Education": Hon'ble CM, Shri Yogi Adityanath

On Monday, 19/08/2024, Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri. Yogi Adityanath ji, visited Maharana Pratap Institute of Technology, and surveyed the construction site of the most coveted state of the art CENTER OF EXCELLENCE, which is being developed at MPIT GORAKHPUR.

Four COEs - Center of Excellence in 1. Drone Technology & 3D Printing 2. Artificial Intelligence 3. Space Technology, and 4. Cyber Security, are proposed to be setup at par with global standards. The COEs will offer specialization courses and Minor programs apart from technical training & certifications, in order to cater to the needs of professionals in the era of Fourth Industrial Revolution. In this way, MPIT is working expeditiously in order to become a role model in the field of technical education.

तकनीकी शिक्षा का रोल मॉडल बनेगा एमपीआईटी : योगी

गोरखपुर (एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में बन रहे स्टेट ऑफ आर्ट-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रगति की जानकारी लेते हुए इन्हें विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप तैयार करने और इसके पाठ्यक्रमों को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को तकनीकी शिक्षा का मॉडल बनाना है। इसमें यहां बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बड़ी भूमिका निभाएंगे।

एमपीआईटी में इस सत्र से बीटेक की पढ़ाई के लिए छह ब्रांचों, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग,

- सीएम योगी ने किया एमपीआईटी में बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण
- महाराणा प्रताप इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इस सत्र से होगी पढ़ाई

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, साइबर सिक्युरिटी, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी) में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इन सभी ब्रांचों में 60-60 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। पहले सत्र में एमपीआईटी की छात्र क्षमता 360 की होगी। बीटेक एडमिशन के लिए जारी प्रवेश प्रक्रिया के साथ ही लच्छीपुर स्थित एमपीआईटी के परिसर में अलग-अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जा रहे हैं। ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्युरिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कुल छह

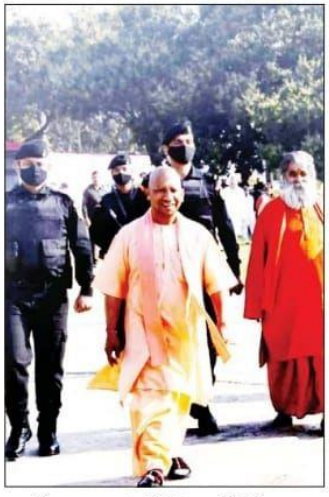

तरह के पाठ्यक्रम (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्युरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी, थ्री डी प्रिंटिंग समेत एकीकृत पाठ्यक्रम) संचालित होंगे। सभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और इनमें संचालित होने वाले पाठ्यक्रम ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से तैयार हो रहे हैं। विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग-सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे। एमपीआईटी के सभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेंगे। यहां न केवल एमपीआईटी के छात्रों को बल्कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से अनुमोदित 15 अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों को भी ग्लोबल कोर्सेज में शामिल होने की सुविधा मिलेगी। जो संस्थान एमपीआईटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से लाभान्वित होंगे उनमें मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि, राजकीय पालिटेक्निक गोरखपुर, राजकीय महिला पालिटेक्निक गोरखपुर, महामाया राजकीय पालिटेक्निक हरिहरपुर खजनी, नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी गोरखपुर सेंटर, महाराणा प्रताप पालिटेक्निक गोरखपुर, बुद्धा इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गीडा गोरखपुर, बुद्धा पालिटेक्निक कालेज गीडा गोरखपुर, आईटीएम गीडा गोरखपुर, आईटीएम पालिटेक्निक गीडा गोरखपुर, केआईपीएम कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी गीडा गोरखपुर, लिटिल फ्लावर पालिटेक्निक गोरखपुर, महामानव गौतम बुद्ध पालिटेक्निक बनकटी खुर्द, सुयश इंस्टीच्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी हक्काबाद गोरखपुर और विकास इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी गोरखपुर शामिल हैं।